भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2567

11 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन के संबंध में अध्ययन

2567. श्री विजय चिंताकायला:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में आयुष के लिए चिकित्सा पर्यटन के संबंध में कोई सर्वेक्षण/अध्ययन कराया है;

(ख) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान देश भर में, विशेष रूप से आंध प्रदेश में, आयुष क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश सहित राज्य-वार, देश भर में आयुष क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयोजनार्थ पिछले पांच वर्षों के दौरान आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने विदेशों में आयुष क्षेत्र के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई कार्यक्रम आयोजित किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग) सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से आयुष तथा वेलनेस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। हालांकि, गत पाँच वर्षों में आयुष मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से आयुष चिकित्सा पर्यटन से संबंधित कोई समर्पित राष्ट्र स्तरीय अध्ययन/सर्वेक्षण नहीं कराया गया है।

सरकार ने देश में आयुष-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक कार्यनीति अपनाई है। पर्यटन मंत्रालय ने आयुष मंत्रालय सहित अन्य मंत्रालयों के परामर्श से चिकित्सा एवं वेलनेस पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तैयार किया है। पर्यटन मंत्रालय पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का समग्र रूप से प्रचार-प्रसार करता है। इसके अंतर्गत चिकित्सा एवं वेलनेस पर्यटन पर विषयगत प्रचार फ़िल्में तैयार की गई हैं तथा योग, आयुर्वेद और वेलनेस पर्यटन से जुड़े उत्पादों का प्रचार इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से किया जाता है। इसके अलावा, वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट लंदन, आईटीबी बर्लिन, अरेबियन ट्रैवल मार्ट तथा वर्ल्ड एक्सपो जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है।

आयुष-आधारित उपचार प्राप्त करने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों की सुविधा के लिए सरकार ने 27 जुलाई, 2023 को आयुष वीज़ा की एक अलग श्रेणी शुरू की। आयुष मंत्रालय ने पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) के साथ आयुर्वेद तथा अन्य पारंपरिक

चिकित्सा प्रणालियों में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। अब तक आयुष मंत्रालय ने चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दो चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलनों का आयोजन किया है। एक पश्चिमी क्षेत्र का शिखर सम्मेलन 30 सितंबर, 2024 को मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, गोवा तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने भाग लिया और दूसरा दक्षिणी क्षेत्र का शिखर सम्मेलन 26 मई, 2025 को चेन्नई में आयोजित किया गया, जिसमें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा पुडुचेरी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने भाग लिया। इन सम्मेलनों का उद्देश्य चिकित्सा मूल्य यात्रा के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति को और अधिक मजबूत करना था।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) नामक केंद्र प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन कर रहा है तथा आयुष पद्धति के समग्र विकास के लिए उनके प्रयासों को सहयोग प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारें राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के दिशा-निर्देशों के अनुसार अपनी राज्य वार्षिक कार्य योजना के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत कर वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। हालाँकि, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आयुष क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन के लिए कोई पृथक या समर्पित धनराशि उपलब्ध नहीं है।

(घ) आयुष मंत्रालय आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी सहित आयुष क्षेत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु केंद्रीय क्षेत्र की योजना को कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना के तहत, मंत्रालय भारतीय आयुष दवा निर्माताओं/आयुष सेवा प्रदाताओं को आयुष उत्पादों और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सहायता प्रदान करता है; आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अंतरराष्ट्रीय प्रचार, विकास और मान्यता को सुगम बनाता है; हितधारकों के बीच बातचीत को बढ़ावा देता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुष के बाजार विकास को बढ़ावा देता है और विदेशों में आयुष अकादमिक पीठों की स्थापना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता और रुचि को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं/संगोष्ठियां आयोजित करके शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है। आयुष मंत्रालय ने आयुष पद्धतियों के प्रचार और प्रसार के लिए 27 देश स्तरीय समझौता ज्ञापनों, 16 आयुष पीठ समझौता ज्ञापनों और 57 संस्थान-से-संस्थान स्तर के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके अलावा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा अधिसूचित और आयुष मंत्रालय द्वारा समर्थित आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुषएक्सिल) आयुर्वेद, होम्योपैथी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और यूनानी पद्धतियों के उत्पादों के निर्यात का पर्यवेक्षण करती है और इन क्षेत्रों से संबंधित व्यापारिक मुद्दों का समाधान करती है। परिषद अपने सदस्यों को निर्यात प्रक्रियाओं पर क्षमता निर्माण की सुविधा प्रदान करती है; व्यापारिक (बी2बी) बैठकों, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों, रोड शो, सेमिनारों और आयुष उत्पादों के निर्यात पर कार्यशालाओं का आयोजन करती है।

*****